नई मानत हे देवता

नई मानत हे देवता रिसयागे हावय भारी,
बम बम चिकि चिकि बाजा,
चिरतहे चांग राजा ॥
सबके होंगे सइता... ॥

रन बन रन बन दउढ़त आवय,देवता दरस देवइया ॥
बोमियावत किलकारत जोव्हर मारत हे घोंडईया ॥
झुपत हे बइहा सही ।
मुड़ मा थोपे हे दही ॥
पाके आय हावय नेवता... ॥

कट किट कट किट दात ल कटरे,डर भूतहा कस लागे ॥
परले बरोबर अउहा झउहा,येति वोती झागे ॥
लिमवा के करे चानी ॥
पढ़ के मंतर बानी ॥
सब होगे उदिम खाइता... ॥

बमकत बंदन बुके माथ म,हुम, नरियर भेला धराये ॥
हुम अगियारी देवाय बइगा,तभो ले नई हितियाये ॥
अरजी म हावे भगति ॥
धिरयागे परम सकती ॥
गौतम ला रखबे सुरता... ॥

प्रेषक जय माँ चण्डी सेवा एवं भजन मंडली रायपुर
गायक- दिवेश साहू
संगीतकार -राहुल एवं शेखर
कोरस- शुभम,राजा ,नीरज
मंदार वादक- चतुर मानिकपुरी
रचनाकार : शेषनारायण गौतम गुरु जी
फ़ोन नो.8349797409

Source:
https://www.bharattemples.com/nai-manat-hai-devta-risyaage-havy-bhaari/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw